तोता और किसान

The Parrot and the Farmer

एक बार एक किसान की दोस्ती एक तोते से हो गई। दिन के समय किसान अपने काम में लग जाता और तोता उड़ कर जंगल में चला जाया करता था। वहां उसके कई दोस्त थे। जब वह थक जाता तो एक बड़े से पेड़ पर सुस्ताया करता। बादलों का राजा, मेघीराजा भी उसी पेड़ के नीचे बैठा करता था।

एक दिन हमेशा की तरह तोता पेड़ पर बैठा था, कि उसने मेघीराजा को कहते सुना, ''इस साल बारिश नहीं होगी। अकाल पड़ेगा। बारिश होगी तो सिर्फ पहाड़ों में होगी।''

तोते के लिए यह बात बड़े महत्व की थी। वह किसान को इससे सावधान करने गया।

उसने किसान को सलाह दी कि इस बार वह समतल भूमि की बजाय पहाड़ी भूमि में बीज डाल कर देखे। तोते के कहे मुताबिक उस किसान ने पहाड़ी भूमि में खेती की तैयारी शुरू कर दी।

कुछ समय बाद उसने देखा कि तोते ने जो कहा था वही बात सच निकली। पहाड़ों में बहुत वर्षा हुई, पर अन्य स्थानों पर एक बूंद भी पानी नहीं गिरा। मेघीराजा को भी आश्चर्य हुआ कि अकाल के बावजूद भी किसान के खेत में फसल आयी है।

दूसरे साल मेघीराजा को बातें करते तोते ने फिर सुना, ''इस बार फिर से भारी अकाल पड़ेगा। हर जगह फसल में कीड़ा लगेगा, जिससे फसल बरबाद होगी। मगर जो किसान फसल में कीड़ा पड़ने के पहले ही कीटनाशक दवा का प्रयोग करेगा वही अपनी फसल बचा सकेगा।''

बस तोते ने किसान को सचेत कर दिया। किसान ने कीड़ा लगने के पहले ही अपनी फसल पर कीड़ा-रोधक दवा छिड़क दी। इससे एक कीड़ा भी उसके खेत में नहीं फटका। उसका खेत लहलहा उठा। खूब अनाज पैदा हुआ।

Once a farmer and a parrot became great friends. During the day, the farmer would be busy tilling the soil while the parrot flew to the forest. Here he had many friends. Whenever he felt tired he would sit on a huge tree for a nap.

Meghiraja, the king of clouds also used to sit under this same tree.

One day the parrot overheard Meghiraja saying, "This year there will be no rains, only drought. If at all, it will rain on the hills."

The parrot thought this was important news and he went to convey it to the farmer. He advised his friend, the farmer, to sow the seeds on the hills. The farmer did as he was told. Whatever the parrot had predicted came to pass. There was sufficient rain on the hills and none on the plains. Meghiraja was surprised that despite drought the farmer had plenty of food grains.

The following year the parrot again overheard Meghiraja saying, "This year there will be drought. The grains will be infected with insects. Only the wise farmers who will spray insecticides will benefit."

The parrot warned the farmer. The farmer sprayed insecticide before the insects could attack the grains. His field bloomed and there was plenty of grain.

Meghiraja was perplexed. He could not understand the farmer's cleverness. Just before the sowing season he again predicted,

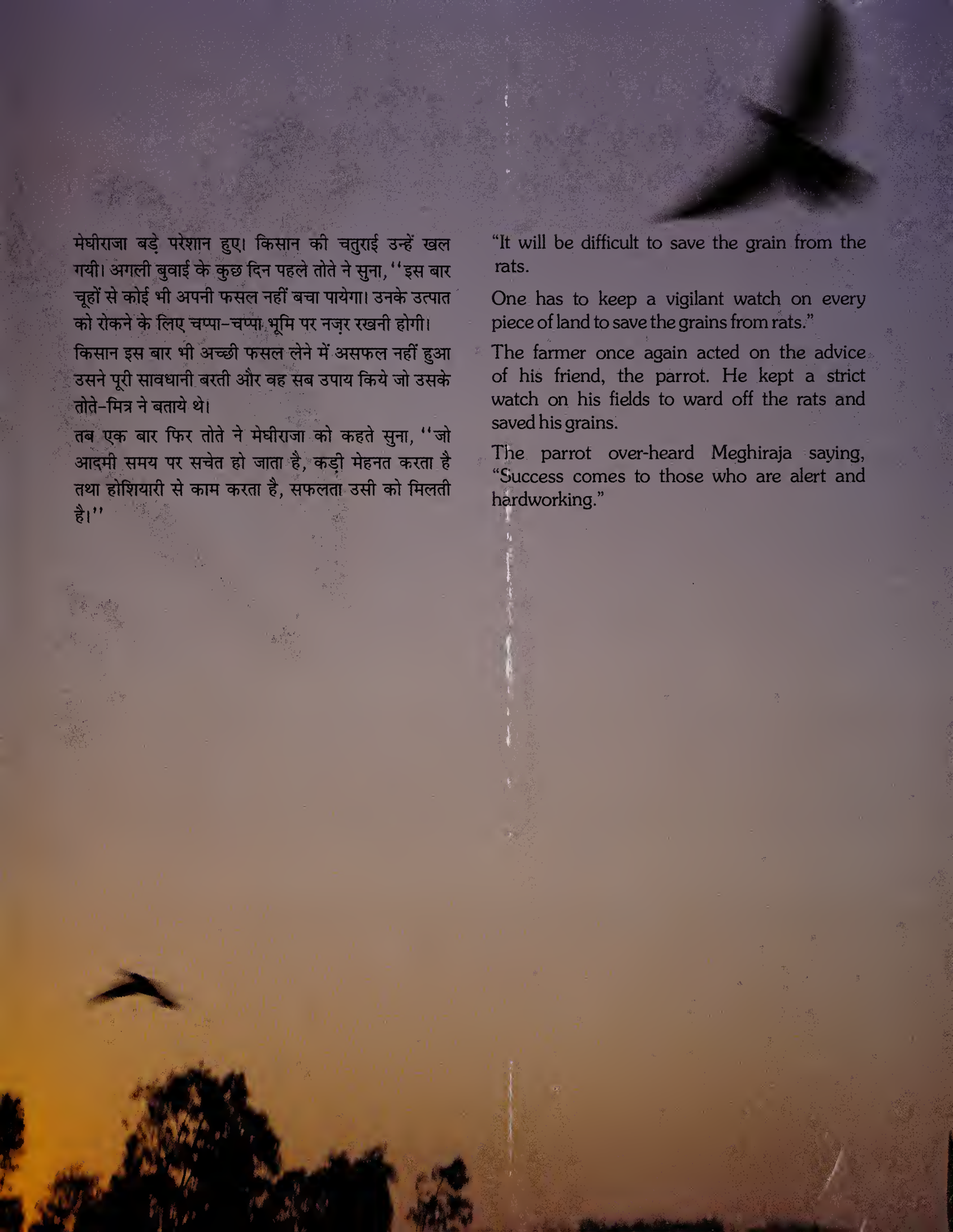

मेघीराजा बड़े परेशान हुए। किसान की चतुराई उन्हें खल गयी। अगली बुवाई के कुछ दिन पहले तोते ने सुना, ''इस बार चूहों से कोई भी अपनी फसल नहीं बचा पायेगा। उनके उत्पात को रोकने के लिए चप्पा-चप्पा भूमि पर नज़र रखनी होगी।

किसान इस बार भी अच्छी फसल लेने में असफल नहीं हुआ उसने पूरी सावधानी बरती और वह सब उपाय किये जो उसके तोते-मित्र ने बताये थे।

तब एक बार फिर तोते ने मेघीराजा को कहते सुना, ''जो आदमी समय पर सचेत हो जाता है, कड़ी मेहनत करता है तथा होशियारी से काम करता है, सफलता उसी को मिलती है।''

"It will be difficult to save the grain from the rats.

One has to keep a vigilant watch on every piece of land to save the grains from rats."

The farmer once again acted on the advice of his friend, the parrot. He kept a strict watch on his fields to ward off the rats and saved his grains.

The parrot over-heard Meghiraja saying, "Success comes to those who are alert and hardworking."

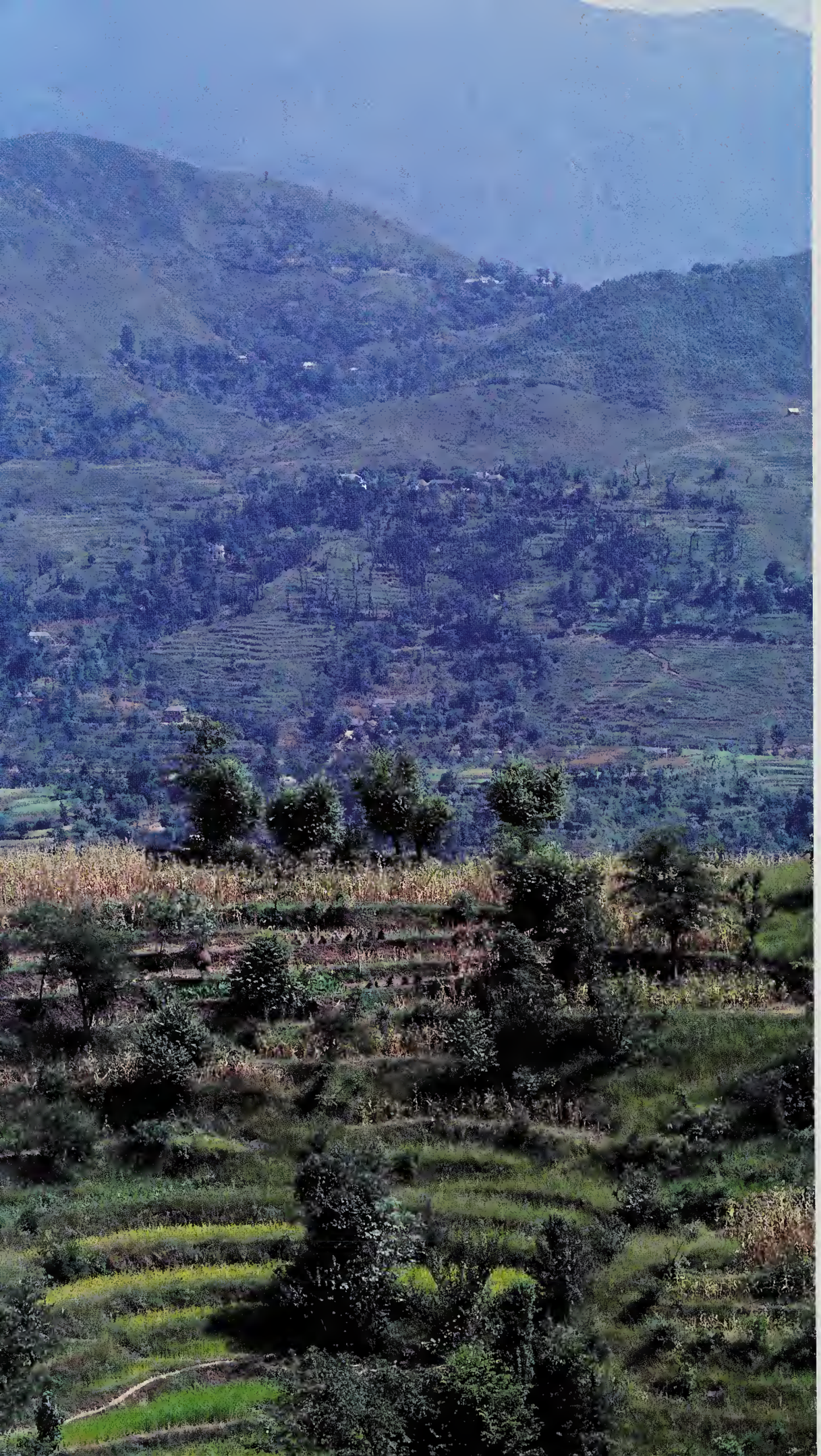

महानिदेशक, सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
15-ए, सेक्टर 7, द्वारका,
नई दिल्ली - 110075 द्वारा प्रकाशित

अरावली प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स (प्रा.) लि.,
डब्लू - 30, ओखला इन्डिस्ट्रयल एरिया, फेस 2,
नई दिल्ली-110 020 द्वारा मुद्रित

Published by Director General
Centre for Cultural Resources and Training
15-A, Sector 7, Dwarka,
New Delhi - 110075

Printed at
Aravali Printers & Publishers (P.) Ltd.
W-30, Okhla Industrial Area, Phase - 2
New Delhi - 110020

चित्र व आलेख : विजय परमार
Illustrations and text : Vijay Parmar